बने आत्मस्थ मिलेगी शांति : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर ब अगस्त, ख्क

आचार्य महाश्रमण ने जैनागम उŽाराध्ययन एवं बौद्ध ग्रंथ ध मपद के तुलनात्मक प्रवचन में कहा कि आत्मा के आस-पास रहने वाला व्यक्ति शांति से रह सकता है। जो अहंकार की जगत विनम्रता, ईर्ष्या की जगह प्रमोद भावना, छल-कपट की जगह ऋजुता का आचरण करता है वह सज्जन होता है। सज्जन संयोग और वियोग में समता का अ यास कर शांति से रहता है।

आचार्य महाश्रमण ने जैन श्वेता बर तेरापंथी महासभा द्वारा आयोजित उपासक प्रशिक्षण शिविर के संभागियों को अनुकंपा की चेतना जागृत करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि उपासक को सोते जागते 'मैं उपासक हूं' की स्मृति रहनी चाहिए। उपासक वर्ग को शिविर में गहन अ यास से मिले आस्वाद की स्मृति, त्याग एवं अनुकंपा की चेतना को जागृत करने का अ यास करते रहना चाहिए। आचार्य महाश्रमण ने इस मौके पर मेवाड़ यात्रा के दौरान कानोड़ क्षेत्र में पधारने की घोषणा की।

इससे पूर्व कानोड़ से समागत हस्तीमल डांगी ने आचार्यवर से कानोड़ पधारने की अर्ज की। संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष शर्मा ने दर्शन किये

राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा के पूर्व सदस्य महेश शर्मा ने आचार्य महाश्रमण के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर शर्मा ने चुनावी माहौल, वर्तमान में राजनीतिक स्थितियों एवं भाजपा के अन्दरूनी मसलों पर चर्चा की। आचार्य महाश्रमण ने राजनीति में नैतिकता को बढ़ावा मिले इसकी प्रेरणा दी। महेश शर्मा के साथ भाजपा मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र सोनी, डॉ. बनेचन्द राव, युवामोर्चा जिला महामंत्री जितेन्द्र शर्मा, सुरेश वर्मा, किशन जाखड़, भास्कर शर्मा एवं डॉ. दिनेश बैद आदि ने आचार्य महाश्रमण का आशीर्वाद लिया।

शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)